नमीं चेतना बारै

क्र.	अंक	म्हीना	विशे सूची
2	2	अक्तूबर 1953	एह्दा कम्म
			वन्दना
			लोक गीत - कांगड़ा, कण्डी, अखनूर, जम्मू, भद्रवाह

कविता क्यारी

गिल्ले गोह्टे लाई चु'ल्ली	- यश
बदली गेई दुनिया	- दीप
बीर गुलाब	- दीनूभाई पन्त
ऋगवेद दा इक मन्त्र	- रामनाथ शास्त्री
प्हाड़ें दा जीना	- मूलराज मैहता
अक्खियें दी भाशा	- मधुकर
प्यार ते अत्याचार	---
अखीरली बल	- प्रशान्त
कुब्बा ते अ'न्ना	---
निक्के-निक्के त्रयाणें	- अलमस्त
शीरबाद	---

हिन्दी विभाग

चैडविक जलप्रपात	- मुल्कराज कांसरा 'करुण'
पण्डित हरदत्त	- बंसी लाल
वासुकि कुण्ड	- स.ब.महाजन

English Section

Message	—
Vaishno Devi	- Raj Pandotra